>

Title: Situation arising due to denial of Special Financial Package by the Central Government to the Eastern Uttar Pradesh.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): महोदय, मैं उत्तर प्रदेश से आता हूं। आज उत्तर प्रदेश का पूर्वांचल बहुत ही उपेक्षित है और गरीबी से जूझ रहा है। केंद्र सरकार, राज्य सरकार दोनों पूर्वांचल के विकास में पूरी तरह से लापरवाह हैं। पूर्वांचल में आबादी ज्यादा है, पूर्वांचल में गरीबी ज्यादा है, पूर्वांचल में बेरोजगारी ज्यादा है। वहां के लोगों का बम्बई, गुजरात, सूरत और दिल्ली जैसे शहरों में पलायन हो रहा है और वे वहां जाकर रोजगार की तलाश कर रहे हैं। पूर्वांचल में खेती अच्छी है, जमीन अच्छी है, लेकिन पानी के अभाव में वहां का किसान दम तोड़ रहा है। पूर्वांचल के विकास के लिए उत्तर प्रदेश की सरकार भी यह कहती है कि अलग राज्य बनायेंगे। हम अलग राज्य की बात नहीं करते हैं। आज जो अलग राज्य की मांग उठ रही है, उसके पीछे सिर्फ एक ही तर्क है कि क्षेत्रीय असमानता बढ़ रही है। चाहे वह बुन्देलखंड हो, चाहे तेलंगाना हो, चाहे बिहार का इलाका हो, चाहे उड़ीसा का इलाका हो, जो क्षेत्रीय असंतुलन विकास का हुआ है, उससे नये राज्यों की मांग उठ रही है। हम नये राज्य की मांग नहीं कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के विकास मे पूर्वांचल का बहुत बड़ा योगदान है। वहां बिजली नहीं है, वहां पढ़ाई-लिखाई का ठीक से इंतजाम नहीं है, वहां आज भी गरीबी है, वहां कुपोषण बढ़ रहा है। बुनकर बहुत बड़े पैमाने पर वहां बुनकरी का काम करते हैं। उनकी हालत खराब है और वे भुखमरी के कगार पर पहुंच रहे हैं। उन्हें रेशम नहीं मिल पा रहा है, उनकी सुविधाओं का कोई ध्यान नहीं है।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि आज उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में ही सबसे ज्यादा गंभीर बीमारी भी गोरखपुर से लेकर बनारस तक फैली है। इतना ही नहीं, आज जो नक्सलवादी गतिविधियाँ पैदा हो रही हैं, वह इन्हीं कारणों से है। असमानता, बेबसी, लाचारी और भुखमरी के चलते आज उत्तर प्रदेश में जो नक्सलवाद बढ़ा है, सोनभद्र, मिर्ज़ापुर और चंदौली में, वह इन्हीं कारणों से है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि यह जो क्षेत्रीय असमानता है, उसको दूर करने के लिए पूरे देश को एक ईकाई मानकर पूर्वांचल के विकास के लिए प्रयास किया जाए। यहाँ की मिट्टी उपजाऊ है, यहाँ के लोगों का आज़ादी के इतिहास में बहुत बड़ा योगदान है, उनके नौजवानों का योगदान है, उस क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए भारत सरकार एक विशेष आर्थिक पैकेज देने का काम करे जिस प्रकार से बुंदेलखंड को दिया गया। मैं तुलना नहीं कर रहा हूँ, बुंदेलखंड को मिलना चाहिए था और मिला, यह अच्छी बात है। लेकिन पूर्वांचल की राजनीति पर सब लोग रोटी सेंकने की कोशिश कर रहे हैं। बसपा भी कहती है, कांग्रेस भी कहती है, लेकिन इसके विकास के लिए किसी ने आगे बढ़कर काम नहीं किया। जब हमारी सरकार थी, माननीय मुलायम सिंह जी की सरकार थी तो पूर्वांचल के विकास के लिए उन्होंने बहुत काम किया था। आज हमारे पास नहरें हैं, लेकिन वे नहरें क्षतिग्रस्त हैं। हमारा एशिया का सबसे बड़ा लिफ्ट कैनाल है चंदौली में, लेकिन उसका पक्कीकरण न होने से 10-15 किलोमीटर तक पानी नहीं पहुँच पाता है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : रामकिशुन जी, आपका गला फँस रहा है, मैं सोचता हूँ कि आपको खत्म कर देना चाहिए।

श्री रामकिशुन : मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि आप अवसर देंगे तो गला नहीं फँसेगा। यह कमज़ोर लोग हैं। आप जानते हैं पूर्वांचल के कमज़ोर लोगों को, उनका दर्द है, उनकी बेबसी और लाचारी है जो गला ज़रूर फँस रहा है, लेकिन उनकी आवाज़ मैं ज़रूर कहना चाहता हूँ कि आज वहाँ कोई एम्स जैसा अस्पताल नहीं है और यही कारण है कि सारे के सारे लोग दिल्ली और लखनऊ जाने का काम करते हैं। उत्तर प्रदेश की 40 प्रतिशत से ज्यादा आबादी पूर्वांचल में रहती है। इसलिए पूर्वांचल पर विशेष ध्यान देना चाहिए। हम पूर्वांचल राज्य की मांग नहीं कर रहे हैं, हम तो उसके विकास की बात करते हैं और मैं दोनों सरकारों से कहना चाहता हूँ कि दोनों सरकारें उत्तर प्रदेश को लूटने के बजाय पूर्वांचल में विकास करने का काम करें। ...(व्यवधान)

सभापति जी, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से कहना चाहता हूँ। हमें राज्य सरकार से कोई उम्मीद नहीं है। यह तो पत्थर की मूर्तियाँ बनाकर लखनऊ पहुँचाने का काम कर रहे हैं। मैं भारत सरकार से मांग करता हूँ कि पूर्वांचल के विकास के लिए काम करे, वहाँ के योगदान को महसूस करे और एक विशेष आर्थिक पैकेज देने का काम करे, ताकि पूर्वांचल के लोग अपने क्षेत्र का विकास कर सकें।

सभापति महोदय : श्री शैलेन्द्र कुमार एवं श्री पी.एल.पुनिया के नाम श्री रामकिशुन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध किये जाते हैं।